

हिंदी साहित्य : पाठ्यक्रम

संघ लोक सेवा आयोग (UPSC)

प्रश्नपत्र -1

खंड 'क' (हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का इतिहास)

1. अपभ्रंश, अवहट्ट और प्रारंभिक हिन्दी का व्याकरणिक तथा अनुप्रयुक्त स्वरूप।
2. मध्यकाल में ब्रज और अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास।
3. सिद्ध एवं नाथ साहित्य, खुसरो, संत साहित्य, रहीम आदि कवियों और दक्खिनी हिन्दी में खड़ी बोली का प्रारंभिक स्वरूप।
4. उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली और नागरी लिपि का विकास।
5. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का मानकीकरण।
6. स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान राष्ट्र भाषा के रूप में हिन्दी का विकास।
7. भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास।
8. हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक और तकनीकी विकास।
9. हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ और उनका परस्पर संबंध।
10. नागरी लिपि की प्रमुख विशेषताएँ और उसके सुधार के प्रयास तथा मानक हिन्दी का स्वरूप।
11. मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना।

खंड 'ख' (हिन्दी साहित्य का इतिहास)

1. हिन्दी साहित्य की प्रासंगिकता और महत्त्व तथा हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा।
2. हिन्दी साहित्य के इतिहास के निम्नलिखित चार कालों की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
(क) **आदिकाल:** सिद्ध, नाथ और रासो साहित्य प्रमुख कवि: चंदबरदाई, खुसरो, हेमचन्द्र, विद्यापति।
(ख) **भक्ति काल:** संत काव्य धारा, सूफी काव्यधारा, कृष्ण भक्तिधारा और राम भक्तिधारा प्रमुख कवि कबीर, जायसी, और सूर तुलसी।
(ग) **रीतिकाल:** रीतिकाव्य, रीतिबद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य प्रमुख कवि केशव, बिहारी, पद्माकर और घनानंद।
(घ) **आधुनिक काल:** (क) नवजागरण, गद्य का विकास भारतेन्दु मंडल (ख) प्रमुख लेखक : भारतेन्दु, बाल कृष्ण भट्ट और प्रताप नारायण मिश्र।
(ङ.) **आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ:** छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता और जनवादी कविता।

प्रमुख कवि : मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह 'दिनकर', सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'. गजानन माधव मुक्तिबोध, नागार्जुन

3. कथा साहित्य:

- (क) उपन्यास और यथार्थवाद
- (ख) हिन्दी उपन्यासों का उद्भव और विकास
- (ग) प्रमुख उपन्यासकार प्रेमचन्द जैनेन्द्र, यशपाल, रेणु और भीष्म साहनी ।
- (घ) हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास।
- (ङ.) प्रमुख कहानीकार प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', मोहन राकेश और कृष्णा सोबती ।

4. नाटक और रंगमंच :

- (क) हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास
- (ख) प्रमुख नाटककार भारतेन्दु जयशंकर प्रसाद, जगदीश चंद्र माथुर, रामकुमार वर्मा, मोहन राकेश ।
- (ग) हिन्दी रंगमंच का विकास।

5. आलोचना :

- (क) हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास सैद्धांतिक, व्यावहारिक, प्रगतिवादी मनोविश्लेषणवादी आलोचना और नई समीक्षा
- (ख) प्रमुख आलोचक रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा और नगेन्द्र।

6. हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ: ललित निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त ।

प्रश्नपत्र -2

इस प्रश्नपत्र में निर्धारित मूल पाठ्यपुस्तकों को पढ़ना अपेक्षित होगा और ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिनसे अभ्यर्थी की आलोचनात्मक क्षमता की परीक्षा हो सके।

खंड 'क' (पद्य साहित्य)

1. **कबीर :** कबीर ग्रंथावली (आरंभिक 100 पद) सं. श्याम सुन्दर दास
2. **सूरदास :** भ्रमरगीत सार (आरंभिक 100 पद) सं. रामचंद्र शुक्ल
3. **तुलसीदास:** रामचरित मानस (सुंदर काण्ड), कवितावली (उत्तर काण्ड)
4. **जायसी :** पदमावत (सिंहलद्वीप खंड और नागमती वियोग खंड) सं. श्याम सुन्दर दास
5. **बिहारी:** बिहारी रत्नाकर (आरंभिक 100 दोहे) सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर
6. **मैथिलीशरण गुप्त :** भारत भारती
7. **जयशंकर प्रसाद :** कामायनी (चिंता और श्रद्धा सर्ग)
8. **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला':** राग-विराग (राम की शक्ति पूजा और कुरुरमुत्ता) सं. रामविलास शर्मा

0

9. रामधारी सिंह 'दिनकर': कुरुक्षेत्र
10. अज्ञेय : आंगन के पार द्वार (असाध्यवीणा)
11. मुक्तिबोध : ब्रह्मराक्षस
12. नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, हरिजन गाथा।

खंड 'ख' (गद्य साहित्य)

1. भारतेन्दु: भारत दुर्दशा।
2. मोहन राकेश: आषाढ़ का एक दिन।
3. रामचंद्र शुक्ल : चिंतामणि (भाग-1). (कविता क्या है. श्रद्धा-भक्ति) ।
4. निबंध निलय: संपादक: डॉ. सत्येन्द्र बाल कृष्ण भट्ट, प्रेमचन्द, गुलाब राय, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, अज्ञेय, कुबेरनाथ राय।
5. प्रेमचंद : गोदान, 'प्रेमचंद' की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ (संपादक : अमृत राय) ।
6. प्रसाद : स्कंदगुप्त।
7. यशपाल : दिव्या।
8. फणीश्वरनाथ रेणु : मैला आँचल।
9. मन्नू भण्डारी : महाभोज।
10. राजेन्द्र यादव (सं.) : एक दुनिया समानान्तर (सभी कहानियाँ) ।

हिंदी साहित्य : पाठ्यक्रम

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPCS)

प्रश्नपत्र -1

भाग-1 हिन्दी भाषा तथा नागरी लिपि का इतिहास

1. पालि, प्राकृत एवं अपभ्रंश तथा पुरानी हिन्दी का संक्षिप्त परिचय।
2. मध्यकाल में ब्रज और अवधी का काव्य भाषा के रूप में विकास।
3. खड़ी बोली का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास।
4. राजभाषा, सम्पर्क भाषा राष्ट्रभाषा एवं मानक भाषा के रूप में हिन्दी।
5. वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्र में हिन्दी भाषा की स्थिति।
6. हिन्दी भाषा का क्षेत्र और अवधी, ब्रज, खड़ी बोली भोजपुरी, बुंदेली का क्षेत्र एवं भाषिक विशेषताएँ।
7. मानक हिन्दी का व्याकरणिक स्वरूप।
8. नागरी लिपि का उद्भव और विकास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, समस्याएँ और समाधान।
9. हिन्दी की शब्द-सम्पदा।

भाग-2 हिन्दी साहित्य का इतिहास

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा।
2. हिन्दी साहित्य के इतिहास में काल विभाजन तथा नामकरण।
3. आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, आधुनिक काल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।
4. आधुनिक काल, पुनर्जागरण और भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता एवं परवर्ती काव्यधाराएँ।

(क) हिन्दी उपन्यास, हिन्दी कहानी, हिन्दी नाटक एवं रंगमंच: उद्भव विकास एवं इनकी अधुनातन प्रवृत्तियाँ।

(ख) हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ: जीवनी, आत्मकथा, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तांत।

(ग) हिन्दी आलोचना का प्रारंभ और विकास। प्रमुख आलोचक: रामचंद्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नगेन्द्र, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, रामस्वरूप चतुर्वेदी।

प्रश्नपत्र -2

खंड 'क' (पद्य साहित्य)

इस प्रश्न-पत्र में निर्धारित रचनाओं में से व्याख्या एवं उन पर आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।

1. कबीर : ग्रंथावली, (सम्पादक- श्याम सुन्दर दास) साखी संख्या से 100 तक और पद संख्या 1 से 20 तक।
2. सूरदास: भ्रमरगीत सार (संपादक- रामचन्द्र शुक्ल), पद संख्या 51 से 100 (कुल 50 पद)

0

3. तुलसीदास : रामचरितमानस (उत्तरकांड- दोहा संख्या-75 से अंत तक)।
4. जायसी : पदमावत (संपादक- रामचन्द्र शुक्ल) सिंहलदीप खंड और नागमती वियोग खंड।
5. बिहारी संग्रह (प्रारंभ से 100 दोहे तक) हिन्दी परिषद प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. जयशंकर प्रसाद कामायनी (श्रद्धा और इड़ा सर्ग) ।
7. सुमित्रानन्दन पंत- नौका विहार, परिवर्तन।
8. निराला- राम की शक्ति पूजा।
9. अज्ञेय - असाध्यवीणा।
10. मुक्तिबोध- अंधेरे में।
11. नागार्जुन- बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद।

खंड : 'ख' (गद्य साहित्य)

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र- अंधेर नगरी।
2. जयशंकर प्रसाद- स्कन्दगुप्त ।
3. रामचन्द्र शुक्ल- चिन्तामणि भाग एक (कविता क्या है, श्रद्धा और भक्ति) ।
4. हजारी प्रसाद द्विवेदी- कुटज (निबंध) ।
5. प्रेमचन्द- गोदान ।
6. फणीश्वरनाथ रेणु- मैला आंचल ।
7. हिन्दी की कहानियाँ- 1. प्रेमचन्द माँ, 2. जयशंकर प्रसाद आकाशदीप, 3. अज्ञेय-रोज़, 4. राजेन्द्र यादव-जहाँ लक्ष्मी कैद है, 5. उषा प्रियंवदा- वापसी।

संघ लोक सेवा आयोग के पाठ्यक्रम से भिन्न टॉपिक

प्रश्नपत्र -1	
भाग 1	भाग 2
1. पालि, प्राकृत। 2. सम्पर्क भाषा। 3. हिन्दी की शब्द- सम्पदा।	प्रमुख आलोचक: नन्ददुलारे वाजपेयी नामवर सिंह, रामस्वरूप चतुर्वेदी जीवनी, आत्मकथा।

प्रश्नपत्र -2	
भाग 1	भाग 2
कबीर: पद संख्या 1 से 20 तक। तुलसीदास: रामचरितमानस (उत्तरकांड दोहा संख्या-75 से अंत तक) । जयशंकर प्रसाद: कामायनी का इड़ा सर्ग सुमित्रानन्दन पंत- नौका विहार, परिवर्तन मुक्तिबोध- अंधेरे में	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र- अंधेर नगरी। हिन्दी की कहानियाँ- 1. प्रेमचन्द माँ 2. जयशंकर प्रसाद आकाशदीप, 3. अज्ञेय- रोज़, 4. राजेन्द्र यादव-जहाँ लक्ष्मी कैद है. 5. उषा प्रियंवदा- वापसी।

हिंदी साहित्य : पाठ्यक्रम

बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC)

प्रश्नपत्र -1

खंड 1. हिन्दी भाषा का इतिहास

1. अपभ्रंश, अवहट्ट और प्रारंभिक हिन्दी की व्याकरणिक और शाब्दिक विशेषताएँ।
2. मध्यकाल में अवधी और ब्रजभाषा का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास।
3. 19वीं शताब्दी में खड़ी बोली हिन्दी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास।
4. देवनागरी लिपि और हिन्दी भाषा का मानकीकरण।
5. स्वाधीनता संघर्ष के समय हिन्दी का राष्ट्रभाषा के रूप में विकास।
6. स्वतंत्रता के बाद भारत संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास।
7. हिन्दी की प्रमुख उप-भाषाएँ और उनका पारस्परिक संबंध।
8. मानक हिन्दी के प्रमुख व्याकरणिक लक्षण।

खंड 2. हिन्दी साहित्य का इतिहास

1. हिन्दी साहित्य के प्रमुख कालों, अर्थात् आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग आदि की मुख्य प्रवृत्तियाँ।
2. आधुनिक हिन्दी की छायावाद, रहस्यवाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नई कहानी, अकविता आदि मुख्य साहित्यिक गतिविधियाँ और प्रवृत्तियों की प्रमुख विशेषताएँ।
3. आधुनिक हिन्दी में उपन्यास और यथार्थवाद का आविर्भाव।
4. हिन्दी में रंगशाला और नाटक का संक्षिप्त इतिहास।
5. हिन्दी में साहित्य समालोचना के सिद्धांत और हिन्दी के प्रमुख समालोचक।
6. हिन्दी में साहित्यिक विधाओं का उद्भव और विकास।

प्रश्नपत्र -2

इस प्रश्नपत्र में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों का मुक्त रूप से अध्ययन अपेक्षित होगा और ऐसे प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनसे उम्मीदवार की समीक्षा क्षमता की परीक्षा हो सके-

1. **कबीर** : कबीर ग्रंथावली (प्रारंभ के 200 पद, संपादक श्याम सुंदर दास)
2. **सूरदास**: भ्रमरगीत सार (प्रारंभ के केवल 200 पद)
3. **तुलसीदास** : (i) रामचरितमानस (केवल अयोध्याकांड), (ii) कवितावली (केवल उत्तरकांड)
4. **भारतेन्दु हरिश्चन्द्र** : अंधेर नगरी
5. **प्रेमचंद** : (i) गोदान. (ii) मानसरोवर (भाग एक)

0

6. जयशंकर प्रसाद : (i) चन्द्रगुप्त, (ii) कामायनी (केवल चिंता, श्रद्धा, लज्जा और इड़ा सर्ग)
7. रामचन्द्र शुक्ल : चिंतामणि (पहला भाग) : (प्रारंभ के 10 निबंध)
8. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला : अनामिका (केवल सरोज स्मृति और राम की शक्ति पूजा)
9. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय : शेखर एक जीवनी
10. गजानन माधव मुक्तिबोध : चांद का मुँह टेढ़ा है (केवल अंधेरे में)

संघ लोक सेवा आयोग के पाठ्यक्रम से भिन्न टॉपिक

प्रश्नपत्र - 1	
खंड 1	खंड 2
कोई टॉपिक नहीं।	कोई टॉपिक नहीं।

प्रश्नपत्र - 2
कबीर: पद संख्या 101-200 सूरदास: पद संख्या 101-200 तुलसीदास: रामचरितमानस (अयोध्याकांड) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला : सरोज स्मृति जयशंकर प्रसाद: कामायनी (लज्जा और इड़ा सर्ग) गजानन माधव मुक्तिबोध : अंधेरे में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र: अंधेर नगरी जयशंकर प्रसाद: चन्द्रगुप्त सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय: शेखर एक जीवनी प्रेमचंद : मानसरोवर (भाग एक) की कुछ कहानियाँ रामचन्द्र शुक्ल: चिंतामणि के कुछ निबंध

HISTORY OPTIONAL SYLLABUS

PAPER – I & II

PAPER – I

1. Sources

Archaeological sources :

- Exploration, excavation, epigraphy, numismatics, monuments.
- Literary sources:
- Indigenous: Primary and secondary; poetry, scientific literature, literature, literature in regional languages, religious literature.
- Foreign account: Greek, Chinese and Arab writers.

2. Pre-history and Proto-history :

Geographical factors; hunting and gathering (paleolithic and mesolithic); Beginning of agriculture (neolithic and chalcolithic).

3. Indus Valley Civilization :

Origin, date, extent, characteristics-decline, survival and significance, art and architecture.

4. Megalithic Cultures :

Distribution of pastoral and farming cultures outside the Indus, Development of community life, Settlements, Development of agriculture, Crafts, Pottery, and Iron industry.

5. Aryans and Vedic Period :

Expansions of Aryans in India :

Vedic Period: Religious and philosophic literature; Transformation from Rig Vedic period to the later Vedic period; Political, social and economical life; Significance of the Vedic Age; Evolution of Monarchy and Varna system.

6. Period of Mahajanapadas :

Formation of States (Mahajanapada): Republics and monarchies; Rise of urban centres; Trade routes; Economic growth; Introduction of coinage; Spread of Jainism and Buddhism; Rise of Magadha and Nandas. Iranian and Macedonian invasions and their impact.

7. Mauryan Empire :

Foundation of the Mauryan Empire, Chandragupta, Kautilya and Arthashastra; Ashoka; Concept of Dharma; Edicts; Polity, Administration, Economy; Art, architecture and sculpture; External contacts; Religion; Spread of religion; Literature.

Disintegration of the empire; Sungas and Kanvas.

8. Post-Mauryan Period (Indo-Greeks, Sakas, Kushanas, Western Kshatrapas) :

o

Contact with outside world; growth of urban centres, economy, coinage, development of religions, Mahayana, social conditions, art, architecture, culture, literature and science.

9. Early State and Society in Eastern India, Deccan and South India:

Kharavela, The Satavahanas, Tamil States of the Sangam Age; Administration, Economy, land grants, coinage, trade guilds and urban centres; Buddhist centres; Sangam literature and culture; Art and architecture.

10. Guptas, Vakatakas and Vardhanas:

Polity and administration, Economic conditions, Coinage of the Guptas, Land grants, Decline of urban centres, Indian feudalism, Caste system, Position of women, Education and educational institutions; Nalanda, Vikramshila and Vallabhi, Literature, scientific literature, art and architecture.

11. Regional States during Gupta Era:

The Kadambas, Pallavas, Chalukyas of Badami; Polity and Administration, Trade guilds, Literature; growth of Vaishnava and Saiva religions. Tamil Bhakti movement, Shankaracharya; Vedanta; Institutions of temple and temple architecture; Palas, Senas, Rashtrakutas, Paramaras, Polity and administration; Cultural aspects. Arab conquest of Sind; Alberuni, The Chalukyas of Kalyana, Cholas, Hoysalas, Pandyas; Polity and Administration; Local Government; Growth of art and architecture, religious sects, Institution of temple and Mathas, Agraharas, education and literature, economy and society.

12. Themes in Early Indian Cultural History:

Languages and texts, major stages in the evolution of art and architecture, major philosophical thinkers and schools, ideas in Science and Mathematics.

13. Early Medieval India, 750-1200:

- Polity: Major political developments in Northern India and the peninsula, origin and the rise of Rajputs.
- The Cholas: administration, village economy and society "Indian Feudalism".
- Agrarian economy and urban settlements.
- Trade and commerce.
- Society: the status of the Brahman and the new social order.
- Condition of women.
- Indian science and technology.

14. Cultural Traditions in India, 750-1200:

- Philosophy: Shankaracharya and Vedanta, Ramanuja and Vishishtadvaita, Madhva and BrahmaMimansa.
- Religion: Forms and features of religion, Tamil devotional cult, growth of Bhakti, Islam and its arrival in India, Sufism.
- Literature: Literature in Sanskrit, growth of Tamil literature, literature in the newly developing languages, Kalhan's Rajtarangini, Alberuni's India.
- Art and Architecture: Temple architecture, sculpture, painting.

15. The Thirteenth Century:

- Establishment of the Delhi Sultanate: The Ghurian invasions - factors behind Ghurian success.
- Economic, Social and cultural consequences.
- Foundation of Delhi Sultanate and early Turkish Sultans.
- Consolidation: The rule of Iltutmish and Balban.

16. The Fourteenth Century:

- “The Khalji Revolution”.
- Alauddin Khalji: Conquests and territorial expansion, agrarian and economic measure.
- Muhammad Tughluq: Major projects, agrarian measures, bureaucracy of Muhammad Tughluq.
- Firuz Tughluq: Agrarian measures, achievements in civil engineering and public works, decline of the Sultanate, foreign contacts and Ibn Battuta’s account.

17. Society, Culture and Economy in the Thirteenth and Fourteenth Centuries:

- Society: composition of rural society, ruling classes, town dwellers, women, religious classes, caste and slavery under the Sultanate, Bhakti movement, Sufi movement.
- Culture: Persian literature, literature in the regional languages of North India, literature in the languages of South India, Sultanate architecture and new structural forms, painting, evolution of a composite culture.
- Economy: Agricultural Production, rise of urban economy and non-agricultural production, trade and commerce.

18. The Fifteenth and Early Sixteenth Century-Political Developments and Economy:

- Rise of Provincial Dynasties : Bengal, Kashmir (Zainul Abedin), Gujarat.
- Malwa, Bahmanids.
- The Vijayanagara Empire.
- Lodis.
- Mughal Empire, first phase : Babur, Humayun.
- The Sur Empire : Sher Shah’s administration.
- Portuguese colonial enterprise, Bhakti and Sufi Movements.

19. The Fifteenth and Early Sixteenth Century- Society and culture:

- Regional cultures specificities.
- Literary traditions.
- Provincial architectural.
- Society, culture, literature and the arts in Vijayanagara Empire.

20. Akbar:

- Conquests and consolidation of empire.
- Establishment of jagir and mansab systems.
- Rajput policy.
- Evolution of religious and social outlook. Theory of Sulh-i-kul and religious policy.
- Court patronage of art and technology.

21. Mughal Empire in the Seventeenth Century:

- Major administrative policies of Jahangir, Shahjahan and Aurangzeb.
- The Empire and the Zamindars.
- Religious policies of Jahangir, Shahjahan and Aurangzeb.
- Nature of the Mughal State.

o

- Late Seventeenth Century crisis and the revolts.
- The Ahom kingdom.
- Shivaji and the early Maratha Kingdom.

22. Economy and society, in the 16th and 17th Centuries:

- Population Agricultural and craft production.
- Towns, commerce with Europe through Dutch, English and French companies : a trade revolution.
- Indian mercantile classes. Banking, insurance and credit systems.
- Conditions of peasants, Condition of Women.
- Evolution of the Sikh community and the Khalsa Panth.

23. Culture during Mughal Empire:

- Persian histories and other literature.
- Hindi and religious literatures.
- Mughal architecture.
- Mughal painting.
- Provincial architecture and painting.
- Classical music.
- Science and technology.

24. The Eighteenth Century:

- Factors for the decline of the Mughal Empire.
- The regional principalities: Nizam's Deccan, Bengal, Awadh.
- Maratha ascendancy under the Peshwas.
- The Maratha fiscal and financial system.
- Emergence of Afghan power Battle of Panipat, 1761.
- State of, political, cultural and economic, on eve of the British conquest.

PAPER - II

1. European Penetration into India:

The Early European Settlements; The Portuguese and the Dutch; The English and the French East India Companies; Their struggle for supremacy; Carnatic Wars; Bengal-The conflict between the English and the Nawabs of Bengal; Siraj and the English; The Battle of Plassey; Significance of Plassey.

2. British Expansion in India:

Bengal-Mir Jafar and Mir Kasim; The Battle of Buxar; Mysore; The Marathas; The three Anglo-Maratha Wars; The Punjab.

3. Early Structure of the British Raj:

o

The Early administrative structure; From diarchy to direct control; The Regulating Act (1773); The Pitt's India Act (1784); The Charter Act (1833); The Voice of free trade and the changing character of British colonial rule; The English utilitarian and India.

4. Economic Impact of British Colonial Rule:

(a) Land revenue settlements in British India; The Permanent Settlement; Ryotwari Settlement; Mahalwari Settlement; Economic impact of the revenue arrangements; Commercialization of agriculture; Rise of landless agrarian labourers; Impoverishment of the rural society.

(b) Dislocation of traditional trade and commerce; De-industrialisation; Decline of traditional crafts; Drain of wealth; Economic transformation of India; Railroad and communication network including telegraph and postal services; Famine and poverty in the rural interior; European business enterprise and its limitations.

5. Social and Cultural Developments:

The state of indigenous education, its dislocation; Orientalist-Anglicist controversy, The introduction of western education in India; The rise of press, literature and public opinion; The rise of modern vernacular literature; Progress of Science; Christian missionary activities in India.

6. Social and Religious Reform Movements in Bengal and Other Areas:

Ram Mohan Roy, The Brahmo Movement; Devendranath Tagore; Iswarchandra Vidyasagar; The Young Bengal Movement; Dayanada Saraswati; The social reform movements in India including Sati, widow remarriage, child marriage etc.; The contribution of Indian renaissance to the growth of modern India; Islamic revivalism-the Feraizi and Wahabi Movements.

7. Indian Response to British Rule:

Peasant movement and tribal uprisings in the 18th and 19th centuries including the Rangpur Dying (1783), the Kol Rebellion (1832), the Mopla Rebellion in Malabar (1841-1920), the Santal Hul (1855), Indigo Rebellion (1859-60), Deccan Uprising (1875) and the Munda Ulgulan (1899-1900); The Great Revolt of 1857 —Origin, character, causes of failure, the consequences; The shift in the character of peasant uprisings in the post-1857 period; the peasant movements of the 1920s and 1930s.

8. Factors leading to the birth of Indian Nationalism; Politics of Association; The Foundation of the Indian National Congress; The Safety-valve thesis relating to the birth of the Congress; Programme and objectives of Early Congress; the social composition of early Congress leadership; the Moderates and Extremists; The Partition of Bengal (1905); The Swadeshi Movement in Bengal; the economic and political aspects of Swadeshi Movement; The beginning of revolutionary extremism in India.

9. Rise of Gandhi; Character of Gandhian nationalism; Gandhi's popular appeal; Rowlatt Satyagraha; the Khilafat Movement; the Non-cooperation Movement; National politics from the end of the Non-cooperation movement to the beginning of the Civil Disobedience Movement; the two phases of the Civil Disobedience Movement; Simon Commission; The Nehru Report; the Round Table Conferences; Nationalism and the Peasant Movements; Nationalism and Working class movements; Women and Indian youth and students in Indian politics (1885-1947); the election of 1937 and the formation of ministries; Cripps Mission; the Quit India Movement; the Wavell Plan; The Cabinet Mission.

10. Constitutional Developments in the Colonial India between 1858 and 1935.

11. Other strands in the National Movement. The Revolutionaries: Bengal, the Punjab, Maharashtra, U.P. the Madras Presidency, Outside India. The Left; The Left within the Congress: Jawaharlal Nehru, Subhas Chandra Bose, the Congress Socialist Party; the Communist Party of India, other left parties.

12. Politics of Separatism; the Muslim League; the Hindu Mahasabha; Communalism and the politics of partition; Transfer of power; Independence.

o

13. Consolidation as a Nation; Nehru's Foreign Policy; India and her neighbours (1947-1964); The linguistic reorganisation of States (1935-1947); Regionalism and regional inequality; Integration of Princely States; Princes in electoral politics; the Question of National Language.

14. Caste and Ethnicity after 1947; Backward Castes and Tribes in post-colonial electoral politics; Dalit movements.

15. Economic development and political change; Land reforms; the politics of planning and rural reconstruction; Ecology and environmental policy in post-colonial India; Progress of Science.

16. Enlightenment and Modern ideas:

- (i) Major Ideas of Enlightenment : Kant, Rousseau.
- (ii) Spread of Enlightenment in the colonies.
- (iii) Rise of socialist ideas (up to Marx); spread of Marxian Socialism.

17. Origins of Modern Politics :

- (i) European States System.
- (ii) American Revolution and the Constitution.
- (iii) French Revolution and Aftermath, 1789-1815.
- (iv) American Civil War with reference to Abraham Lincoln and the abolition of slavery.
- (v) British Democratic politics, 1815-1850 : Parliamentary Reformers, Free Traders, Chartists.

18. Industrialization :

- (i) English Industrial Revolution : Causes and Impact on Society.
- (ii) Industrialization in other countries : USA, Germany, Russia, Japan.
- (iii) Industrialization and Globalization.

19. Nation-State System :

- (i) Rise of Nationalism in 19th century.
- (ii) Nationalism : State-building in Germany and Italy.
- (iii) Disintegration of Empires in the face of the emergence of nationalities across the World.

20. Imperialism and Colonialism :

- (i) South and South-East Asia.
- (ii) Latin America and South Africa.
- (iii) Australia.
- (iv) Imperialism and free trade: Rise of neo-imperialism.

21. Revolution and Counter-Revolution :

- (i) 19th Century European revolutions.
- (ii) The Russian Revolution of 1917-1921.
- (iii) Fascist Counter-Revolution, Italy and Germany.
- (iv) The Chinese Revolution of 1949.

22. World Wars :

- (i) 1st and 2nd World Wars as Total Wars : Societal implications.
- (ii) World War I : Causes and Consequences.
- (iii) World War II : Causes and Consequences.

23. The World after World War II:

o

- (i) Emergence of Two power blocs.
- (ii) Emergence of Third World and non-alignment.
- (iii) UNO and the global disputes.

24 . Liberation from Colonial Rule :

- (i) Latin America-Bolivar.
- (ii) Arab World-Egypt.
- (iii) Africa-Apartheid to Democracy.
- (iv) South-East Asia-Vietnam.

25. Decolonization and Underdevelopment :

- (i) Factors constraining Development ; Latin America, Africa.

26. Unification of Europe :

- (i) Post War Foundations ; NATO and European Community.
- (ii) Consolidation and Expansion of European Community
- (iii) European Union.

27. Disintegration of Soviet Union and the Rise of the Unipolar World :

- (i) Factors leading to the collapse of Soviet Communism and Soviet Union, 1985-1991.
- (ii) Political Changes in East Europe 1989-2001.
- (iii) End of the Cold War and US Ascendancy in the World as the lone superpower.

